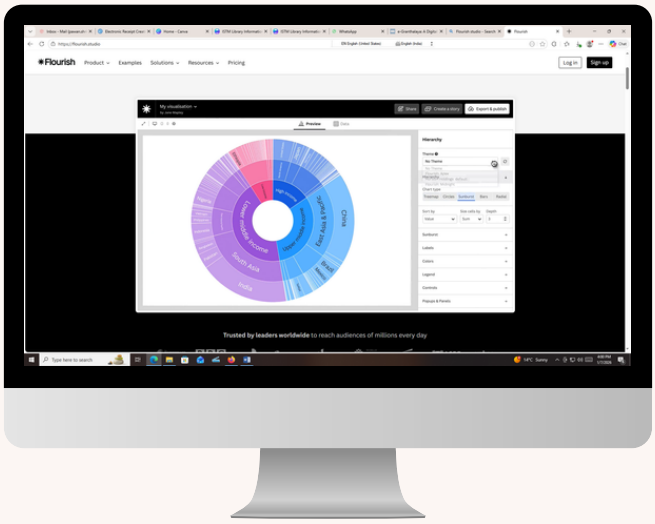
प्रकाशक - स.प्र.प्र.सं. पुस्तकालय **दिसम्बर 2025** खंड - 4, अंक - 11

आई.एस.टी.एम. लाइब्रेरी इन्फॉर्मेशन बुलेटिन

इस सूचना बुलेटिन का उद्देश्य आईएसटीएम पुस्तकालय की सेवाओं और गतिविधियों के बारे में जागरूकता फैलाना है और सभी उपयोगकर्ताओं के उपयोग के लिए ओपन एक्सेस के रूप में उपलब्ध अनुसंधान और प्रबंधन उपकरणों के बारे में जानकारी प्रदान करना है।

FLOURISH STUDIO

Flourish Studio: आज के समय में, जब निर्णय-निर्माण में डेटा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है, Flourish एक ऐसे प्रभावशाली मंच के रूप में उभर रहा है, जो एआई-सहायित इंटरैक्टिव डेटा विज़ुअलाइज़ेशन को सरल और सुलभ बनाता है। Flourish एक ब्राउज़र-आधारित, उपयोगकर्ता-अनुकूल प्लेटफॉर्म है, जिसकी सहायता से पत्रकार, शोधकर्ता, शिक्षक, नीति-विश्लेषक और अन्य पेशेवर बिना किसी कोडिंग ज्ञान के कच्चे डेटा को आकर्षक और अर्थपूर्ण दृश्य कथाओं (visual stories) में परिवर्तित कर सकते हैं।



Flourish में चार्ट, मानचित्र, एनिमेटेड ग्राफ़, नेटवर्क डायग्राम, तालिकाएँ तथा इंटरैक्टिव टाइमलाइन जैसे विविध टेम्पलेट्स उपलब्ध हैं। इनके माध्यम से साधारण बार और लाइन चार्ट से लेकर लोकप्रिय बार चार्ट रेस, इंटरैक्टिव मानचित्र तथा स्क्रॉल-आधारित कथा (scrollytelling) जैसे उन्नत विज़ुअल प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

विशेष रूप से, यह प्लेटफॉर्म एआई-आधारित वर्कफ़्लो को अपनाते हुए डेटा की सफ़ाई, विश्लेषण तथा उपयुक्त विज़ुअल फ़ॉर्मेट के चयन में उपयोगकर्ताओं की सहायता करता है। एआई-सहयोग से मैनुअल तैयारी में लगने वाला समय कम होता है और डेटा को अधिक प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करना संभव हो पाता है।

Flourish का इंटरैक्टिव और साझा-योग्य कंटेंट पर विशेष ज़ोर इसे न्यूज़लेटर, प्रस्तुतियों और डिजिटल प्रकाशनों के लिए अत्यंत उपयोगी बनाता है। इसके माध्यम से तैयार विज़ुअल्स को वेबसाइट, रिपोर्ट और सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर आसानी से एम्बेड या साझा किया जा सकता है, जो सभी प्रकार की स्क्रीन पर सहज रूप से अनुकूलित हो जाते हैं।

अपने नो-कोड दृष्टिकोण और निरंतर विकसित होते एआई समर्थन के साथ, Flourish डेटा स्टोरीटेलिंग की बाधाओं को कम कर रहा है और संस्थानों व व्यक्तियों को ऐसा सक्षम बना रहा है कि उनका डेटा केवल देखने के लिए ही नहीं है, बल्कि उसे स्पष्ट रूप से समझा भी जा सकता है ।

चित्र तथा जानकारी का सोर्स https://flourish.studio



इस विषय पर अधिक जानकारी अथवा उपयोग हेतु दिए गए QR कोड को अपने मोबाइल कैमरे से स्कैन करें।

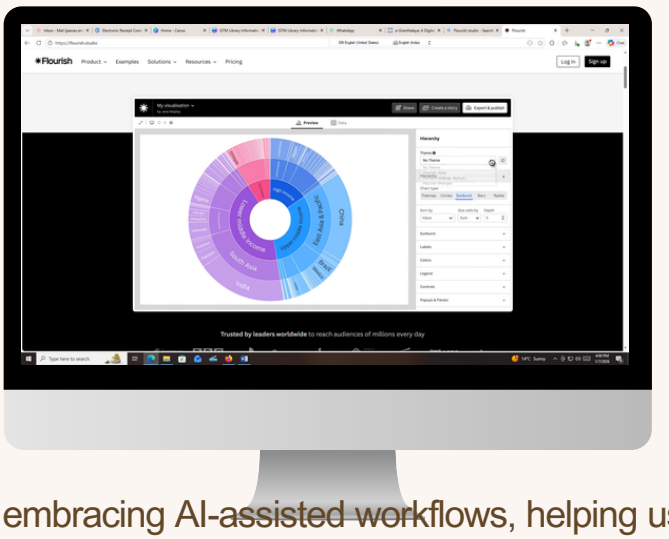
Pub. by – ISTM Library December 2025 Vol. – 4, Issue – 11

ISTM Library Information Bulletin

The purpose of this Information Bulletin is to spread awareness about the services and activities of the ISTM Library and Research and Management Tools available as Open Access for the use of all the users.

FLOURISH STUDIO

Flourish Studio — In an era where data drives decisions, the Flourish platform is emerging as a go-to tool for creating interactive, AI-assisted visual stories that engage audiences with clarity and impact. Flourish offers an intuitive, browser-based environment where users — from journalists and researchers to educators and business analysts — can transform raw data into compelling visuals without writing a single line of code.



At its core, Flourish provides a rich library of templates for charts, maps, animated graphs, network diagrams, tables, and immersive timelines — enabling creators to build everything from classic line and bar graphs to animated bar chart races, interactive maps and narrative scrollytelling experiences.

Significantly, the platform is embracing AI-assisted workflows, helping users source and clean data, analyze trends, and choose the most effective visualization formats. AI guidance can help reduce hours of manual preparation, recommending chart types and streamlining data structures so stories come together faster.

Flourish's focus on interactive, shareable content makes it particularly valuable for newsletters, presentations and digital publications. Visualizations can be exported or embedded across websites and social media, adapting seamlessly to screens large and small.

With its no-code approach and growing AI support, Flourish continues to lower the barriers to powerful data storytelling — equipping teams and individuals alike to make their data not just seen, but understood.

Source of the image and information: https://flourish.studio

SCAN THIS QR CODE TO KNOW MORE AND ACCESS



प्रबंधन तथा प्रशिक्षण उपकरणों की मासिक चर्चा
दिसम्बर 2025

यह पृष्ठ पुस्तकालय में आयोजित विभिन्न गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत करता है।

एक मिनट में की गई प्रशंसा



उद्देश्य: सत्र/कार्यक्रम की शुरुआत या अंत में प्रतिभागियों को कुछ सकारात्मक प्रतिक्रिया देने के लिए।

प्रक्रिया: व्यवहार में परिवर्तन के लिए सकारात्मक प्रोत्साहन (Positive Stroking) के महत्व का वर्णन करें। डॉ. केन ब्लैंचर्ड अपनी पुस्तक "द वन मिनट मैनेजर" में सुझाव देते हैं कि हमें "लोगों को कुछ सही करते हुए पकड़ना चाहिए।" लॉर्ड चेस्टरफ़ील्ड की सलाह के शब्दों में: "किसी व्यक्ति को अपने बारे में थोड़ा बेहतर महसूस कराइए और मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि वह व्यक्ति आपको अवश्य पसंद करेगा।"

प्रतिभागियों को बताएँ कि आप उनसे ऐसा कार्य करने के लिए कहने जा रहे हैं जो उन्हें थोड़ा असहज या यहाँ तक कि शर्मनाक भी लग सकता है। उनसे कहें कि वे अपने पास बैठे व्यक्ति की ओर मुड़ें और उस व्यक्ति के बारे में कोई अच्छी बात कहें—अर्थात उस व्यक्ति को "एक मिनट की प्रशंसा" दें।

चर्चा के प्रश्न: इस गतिविधि के बाद, निम्नलिखित प्रश्न पूछें:

- आप इस समय कैसा महसूस कर रहे हैं? (अधिकांश लोग सकारात्मक प्रतिक्रिया स्वीकार करेंगे।)
- आप में से कितनों ने, यह शायद थोड़ा शर्मनाक कार्य सौंपे जाने पर—अपने बाएँ या दाएँ बैठे व्यक्ति की ओर मुड़कर (ठहराव), मुस्कराते हुए (ठहराव) कहा, "आप पहले शुरू कीजिए?"
- आख़िरी बार आपको किसी ने ईमानदारी से कब प्रशंसा दी थी?
- और सबसे महत्वपूर्ण—आख़िरी बार आपने किसी और को प्रशंसा के शब्द कब कहे थे?

ट्रेनर का कार्य: प्रतिभागियों को ईमानदार बनने और जहाँ संभव हो, सच्ची व वास्तविक प्रशंसा साझा करने के लिए प्रेरित करें।

आवश्यक सामग्री: कुछ नहीं

अनुमानित समय: 05–10 मिनट (समूह के आकार पर निर्भर करता है)

स्त्रोत: केन ब्लैंचर्ड की पुस्तक "द वन मिनट मैनेजर" से अनुकूलित।

Monthly Talk of Management & Training Tools
December 2025
This section presents a brief description of the various activities conducted in the library.

THE ONE MINUTE PRAISE



Objective: To give participants some positive feedback at the start or end of the session/programme.

Procedure: Describe the importance of positive stroking for behaviour modification. Dr Ken Blanchard in his book “The One Minute Manager” suggests we "catch people doing something right." To quote Lord Chesterfield's advice: "Make a person like himself/herself a little better and I promise he/she will like you very well indeed. "

Tell participants you're going to ask them to do something they may find awkward or even embarrassing. Ask them each to turn to the person next to them and say something nice to that person about that person (i.e., a "one-minute praise").

Discussion Questions: After this activity, ask the following questions:

- How do you feel right now? (Most will acknowledge a positive reaction.)
- How many of you, having been given that perhaps embarrassing assignment-turned to the person on your left or right (pause), smiled (pause) and said, "You go first?"
- When was the last time someone gave you an honest compliment?
- More importantly, when was the last time you gave someone else a word of praise?

Trainer’s Task: Motivate participants to be honest and share genuine compliments, possibly.

Materials Required: None

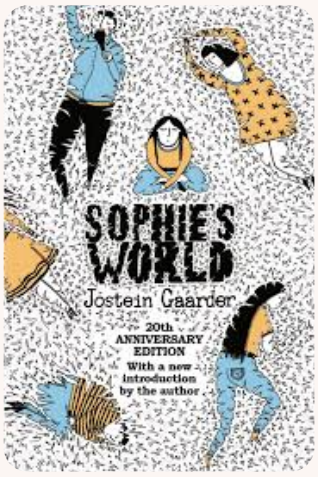
Time Required: 05 - 10 Minutes (Depending upon the size of Group)

Source: Adapted from the Book Titled “The One Minute Manager”, by Ken Blanchard

नव–आगमन से / From the New Arrivals
December 2025

खंड के इस भाग में नव आगमन सेक्शन से एक या दो पुस्तकों के कवर पेज के साथ साथ उनका संक्षिप्त विवरण प्रदान करता है, इसके साथ ही यहाँ नवीनतम ट्रेंडिंग सामयिकियों की जानकारी भी दी जाती है।

SOPHIE'S WORLD



Format: Book (Paperback)
Author: Gaarder, Jostein
Pub & Desc: London; Orion Publishing Group; c2015, 448p; 18cm.
ISBN: 978-14-7460-228-0

It's all about: Sophie's World is a story about a 14-year-old girl named Sophie who starts receiving strange letters from a mysterious teacher. These letters introduce her to big questions about life, such as who we are and why we exist. At the same time, Sophie gets postcards meant for another girl, which makes her curious and confused. As Sophie learns about philosophy, she tries to solve the mystery behind the letters and postcards. Slowly, she discovers that her own life is part of a much bigger and surprising secret. The book mixes mystery, philosophy, and imagination in a simple and engaging way.

चैट जीपीटी : एक अध्ययन

Format: Book (Paperback)
Author: शर्मा, सुनील कुमार
Pub. & Desc. नई दिल्ली; वाणी प्रकाशन; c2024,106p;20 cm.
ISBN: 978-9357753470



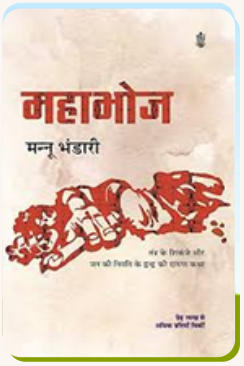
Its all about:"चैट जीपीटी : एक अध्ययन" पुस्तक में लेखक ने चैट जीपीटी को आसान और स्पष्ट भाषा में समझाया है। यह पुस्तक बताती है कि चैट जीपीटी कृत्रिम बुद्धिमत्ता और भाषा प्रसंस्करण में हुए बड़े विकास का परिणाम है। लेखक ने इसके उपयोगों को शिक्षा, शोध और अन्य क्षेत्रों में सरल उदाहरणों के साथ समझाया है। साथ ही, चैट जीपीटी की सीमाओं और कमियों पर भी निष्पक्ष रूप से चर्चा की गई है। डॉ. शर्मा ने बिना अनावश्यक विस्तार के वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाया है, जिससे यह पुस्तक सामान्य पाठकों और विद्यार्थियों दोनों के लिए उपयोगी और रोचक बन जाती है।

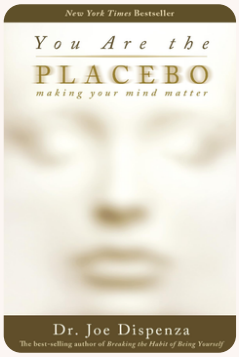
पुस्तकालय में इस सप्ताह के ट्रेंडिंग सामयिकियाँ

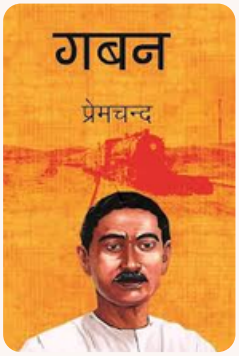


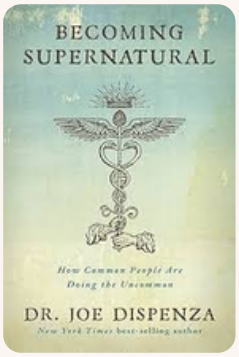
इस माह में जारी पुस्तकें / BOOKS IN TREND THIS MONTH

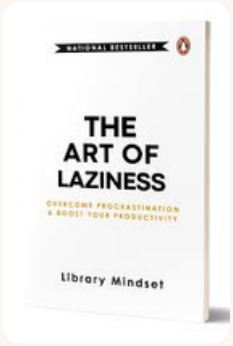
दिसम्बर / December 2025





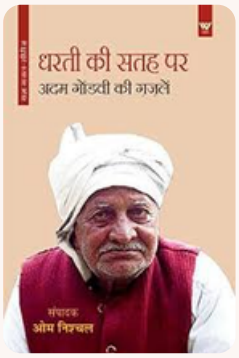




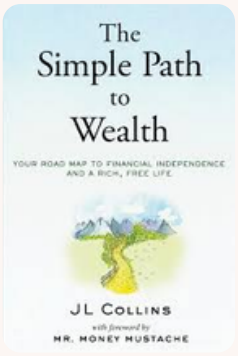






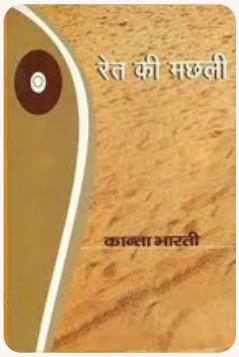


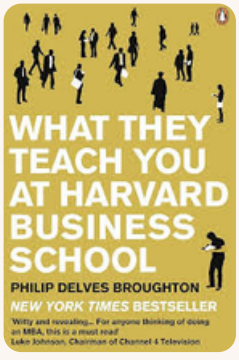




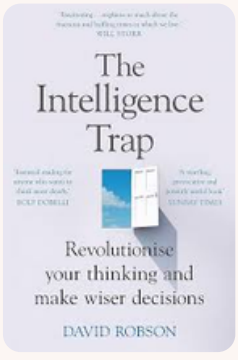
ISTM LIBRARY'S FULL CATALOGUE ON YOUR MOBILE:

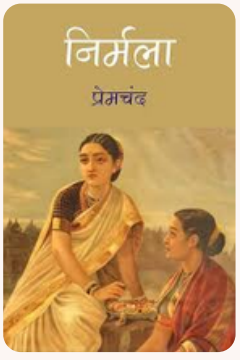
SCAN ME

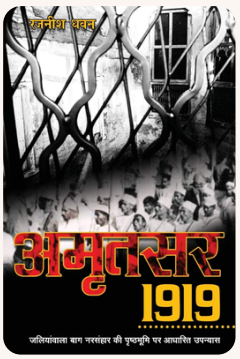


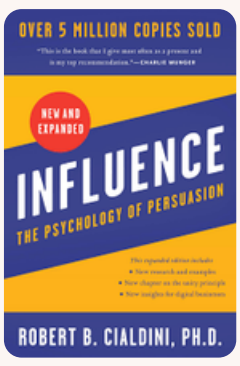


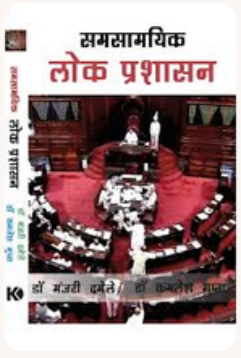


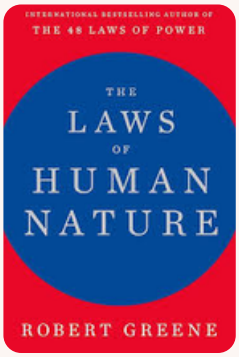






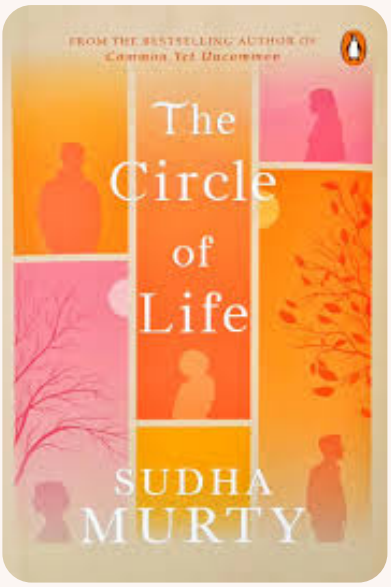






पुस्तक समीक्षा / BOOK REVIEW
दिसम्बर/December 2025

The Circle of Life



This is a novel that beautifully explores friendship, relationships, values, and the unexpected twists of life. A tribute to Ms Murthy's alma mater, the Indian Institute of Science, Bangalore, the book delves into the power of lifelong bonds and shared experiences.

The story follows Uttara Rao, Janaki Paranjape, Arvind Shah, K. Subba Rao, and Sumitra Iyer, five students who first met at the Indian Institute of Science in 1999. Despite their diverse backgrounds, they form an unbreakable bond, supporting each other through academic challenges, personal dilemmas, and the uncertainty of the future. As they embark on their individual journeys, they make a promise to reunite on campus twenty-five years later. When the time comes, they return not just as accomplished individuals but as people shaped by life's joys and hardships. As they reflect on the paths they took, they come to realize that life, much like their friendship. has come full circle. This story beautifully captures the resilience of the human spirit and the enduring strength of true connections.

In a world where meaningful relationships are becoming increasingly rare, this novel serves as a reminder that true friendships withstand the test of time. It highlights the beauty of bonds that go beyond familial ties-connections built on trust, loyalty. and shared experiences. Murty's evocative storytelling stirs deep emotions, making readers appreciate the friendships in their own lives and reflect on the significance of lasting companionship.

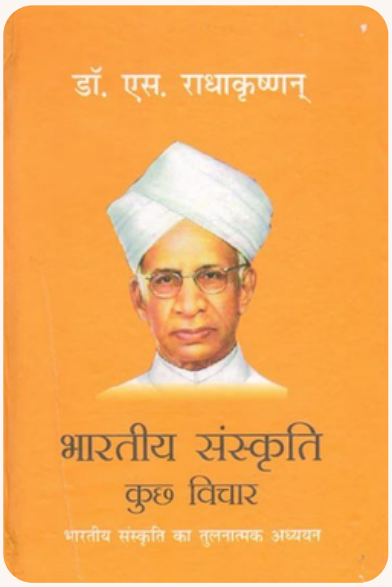
With relatable characters, heartfelt emotions, and an engaging narrative, The Circle of Life leaves a lasting impact. Each character is thoughtfully crafted, with distinct personalities and values that make them both recognizable and unique. Murty's storytelling adds depth to their journeys, making them feel like everyday individuals while highlighting the qualities that set them apart. She masterfully blends real-life inspiration with fiction, weaving a narrative that conveys hope, empathy, and the importance of staying true to one's values.

Overall, The Circle of Life is an uplifting and thought-provoking read that celebrates the beauty of enduring friendships and life's unexpected paths. Whether you are a longtime fan of Sudha Murty or new to her writing, this novel will leave you with a smile and a heart full of wisdom. A must-read for anyone who appreciates meaningful storytelling.



-Bhagaban Padhy
Deputy Director

पुस्तक समीक्षा / BOOK REVIEW
दिसम्बर /December 2025
पुस्तक : भारतीय संस्कृति कुछ विचार



पुस्तक 'भारतीय संस्कृति कुछ विचार' डॉ राधाकृष्णन की पुस्तक 'द प्रेजेंट क्राइसिस आफ फेथ' का हिन्दी अनुवाद है इस पुस्तक के माध्यम से डॉ राधाकृष्णन ने समझाने का प्रयत्न किया है कि धर्म जीवन से बाहर ले जाने का मार्ग नही बल्कि जीवन की ओर ले जाने का मार्ग है। सभी धर्म में जीवन पर बल देने वाले और जीवन का निषेध करने वाले मनोवैज्ञानिकों का परस्पर संघर्ष है। यह संकट स्थिति मानवता के साथ विज्ञान और प्रतियोगिकी के आश्चर्य जनक गति का सामंजस्य न होने के कारण उत्पन्न हो रहा है, प्रकृति ने हमें दास्तान मुक्त तो कर दिया, किन्तु हम संस्कृति विघटन से पीड़त दिखाई पड़ रहे है जिस प्रकार प्रकृति पर से हमारी निर्भरता कम होती जा रही है हम धार्मिक की आवश्यकता कम होती जा रही है।

वर्तमान, धर्म संकट का समय है जो की एक दूसरे को ठीक तरह से ना समझने के कारण धर्म परस्पर कट गए है। आगे लेखक बताता है की धर्म का भारतीय दृष्टिकोण यह है कि पूर्व और पश्चिम दोनों एक सापेक्ष शब्द है जो केवल भौगोलिक अभिव्यक्तियाँ है। कई वेदों का उदाहरण देते हुए भारतीय दृष्टिकोण में धर्म का अर्थ बताया है कि सच्चा धर्म वह नहीं है जो बाहर से या शिक्षकों से प्राप्त करते है हम अभ्यास से जो कुछ ग्रहण करते है उसे दैनिक कार्य में धर्म का संबंध नहीं है। धर्म में वही धर्म सच्चा और वास्तविक है जो विशिष्ट और ठोस है यानी जहां प्रत्येक धर्म की अपनी विशिष्ट प्रकृति अपना ढांचा है तथा एकता को हमारी आंखों से ओझल नहीं कर सकता वह सच्चा धर्म है।

लेखक ने हिंदू धर्म, बौद्ध धर्म, यहूदी धर्म, इस्लाम धर्म सभी का उदाहरण देते हुए कहा है कि मिलजुल कर रहना ि जसमें सभी के दुख दूर हो और सब सुखी रहे। विश्व सभ्यता के अंदर विज्ञान और धर्म प्रत्येक संस्कृति के पहलू है जब संसार को किसी दूसरे महायुद्ध में लपेट लेने का खतरा दूर नहीं हुआ है तो हम सबको विनम्रता से कार्य करना चाहिए और हम पूरे राष्ट्र को यह दिखाने की कोशिश करनी चाहिए कि राष्ट्र भी स्वार्थ रहित व्यवहार कर सकते है जैसा कि कभी-कभी व्यक्ति करते है भविष्य की लड़ाई मनुष्य के मन और हृदय में जीती जानी चाहिए ना कि अस्त्र-शस्त्र से युद्ध के मैदान में।

डॉ राधाकृष्णन जी ने एक जीवन मार्ग प्रशस्त किया है जिसमें राष्ट्रीय एकता तथा नई विश्व व्यवस्था के बारे में बताया है साथ ही लोकतंत्र को ही एक सर्वप्रथम धर्म माना है और समाज में लोकतंत्रात्मक व्यवस्था कायम करने की बात कही है लोकतंत्र एक राजनीतिक व्यवस्था है जो लोगों को समान मानती है इस पुस्तक के माध्यम से डॉ राधाकृष्णन भारत का एक ऐसा दर्शन कारण जिसमे परमात्मा पूर्णता ऊंचाई तक विकसित करने में हर एक की सहायता कर रहा है और लोगों का कर्तव्य है कि ऐसा वातावरण प्रतिक्रिया तैयार कर दें कि व्यक्ति को अधिकतम ऊंचाई तक उठने में सहायता मिले।

व्यक्तिगत विचार- उपरोक्त पुस्तक में दिए गए विचार मानवता के कल्याण और विस्तार के संबंध में है। डॉ राधाकृष्णन ने इस पुस्तक के माध्यम से अनेक संस्कृतियों की तुलनात्मक अध्यन्न प्रस्तुत किया है और बताया है कि भारतीय संस्कृति के आध्यात्मिक अन्वेषण से ही मानव मात्र का जीवन उन्न्त हो सकता है



-सोनी कुमारी
Trainee - ISC-LISP-02